हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: murtaza12152@yahoo.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 01 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 15 जनवरी से 21 जनवरी 2021

हे प्रभु !

बिना सेहत के जीवन जीवन नहीं है; बस पीड़ा की एक स्थिति है- मौत की छवि है.

- अज्ञात

अनमोल विचार

वह जो पचास लोगों से प्रेम करता है उसके पचास संकट हैं, वो जो किसी से प्रेम नहीं करता उसके एक भी संकट नहीं है.

- अज्ञात

नजरिया

क्रोध को पाले रखना गर्म कोयले को किसी और पर फेंकने की नीयत से पकड़े रहने के सामान है; इसमें आप ही जलते हैं.

-संपादक

कविता

क्रोध को पाले रखना गर्म कोयले को किसी और पर फेंकने की नीयत से पकड़े रहने के सामान है; इसमें आप ही जलते हैं.

-संपादक

बर्ड फ्लू को लेकर शिवसेना का बीजेपी पर हमला

इसके पीछे भी पाकिस्तान या खालिस्तान का हाथ?

मुंबई : महाराष्ट्र सहित देश के कई राज्यों में बर्ड फ्लू के पैर पसारने को लेकर शिवसेना ने बीजेपी पर निशाना साधा है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में लिखा है कि सरकारी लोगों का कहना है कि सरकारी लोग किसान आंदोलन के पीछे पाकिस्तान, खालिस्तान और माओवादियों का हाथ बताते हैं लेकिन अब देश में इतनी मुर्गियां और पक्षी मर रहे हैं, इनके पीछे किसका हाथ है? सामना में शिवसेना ने लिखा है, सरकारी लोगों का कहना है कि किसानों के आंदोलन के पीछे पाकिस्तानी, खालिस्तानी, चीनी, नक्सलवादी और माओवादियों का हाथ है। अब जो ये मुर्गियां और पक्षी मर रहे हैं, उनके इस रहस्यमय हत्याकांड में भी खालिस्तानी, पाकिस्तानी और नक्सलवादियों का हाथ है, ऐसा भाजपा प्रवक्ता ने घोषित नहीं किया, ये बड़ी बात है। सामना में लिखा है,चिकन बिक्री में 40 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इसकी आर्थिक मार समाज के एक बड़े वर्ग पर पड़ रही है। कोरोना वैक्सीन के उत्सव के दौरान ही यह नया संकट फड़फड़ाने लगा। इस बर्ड फ्लू संकट के कारण मुर्गियां और पक्षी मर रहे हैं, इससे इंसान खुश न हों। मुर्गियां, पक्षी और प्रकृति मानवीय जीवन का अंग हैं। यह प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने वाली घटना है। एक तो पहले से ही बरसात के कारण अंगूर, काजू और अन्य फलों का उत्पादन संकट में है, उस पर बर्ड फ्लू से मुर्गियों पर भी खतरा आन पड़ा है। महाराष्ट्र में लातूर, बीड और नगर आदि क्षेत्रों में मुर्गियां और पक्षी मरने लगे लेकिन देश में केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बर्ड फ्लू पैष्ठलने की बात केंद्र सरकार द्वारा बताए जाने के बाद चिंता बढ़ गई है। इसके आगे लिखा है, नए कृषि कानून के विरोध में किसान आंदोलन कर रहे हैं, इसी दौरान बर्ड फ्लू का नया संकट टूट पड़ा है। किसान हर स्तर पर मुश्किल में फंसा हुआ है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव का फरमान

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने राजद के सभी नेता-कार्यकताओं को मकर संक्रांति के दिन भोज के आयोजन के निर्देश दिए हैं। पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से पार्टी सुप्रीमो के निर्देश को ट्वीट किया गया है। इस ट्वीट में कहा गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद जी का निर्देश है कि सभी विधायक, नेतागण, कार्यकर्ता मकर संक्रांति के दिन गरीब-गुरबों को दही-चूड़ा का भोज कराएं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी इसे रीट्वीट किया है। नेता प्रतिपक्ष ने कोरोना के नाम पर सदन संचालन से बचने का आरोप लगाया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सरकार जनहित के मुद्दों से भागना चाहती है।

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life
With Peace, Love, & Happiness

YOGA

YOGA classes available

Session 5 days a week

Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB 70213 01200

पैसा मांगने पर कर दिया बीयर के बॉटल से हमला

नालासोपारा : पूर्व तुलिंज पुलिस थानांतर्गत एक 43 वर्षीय व्यक्ति पर बीयर के बॉटल से हमला कर उसे जख्मी करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने दो आरोपी पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार,मुबारक सय्यद पठान (43),लक्ष्मी नगर,नागिनादास पाडा,नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में रहता है। बताया गया है कि,घटना के दिन मुबारक प्रभाकर समदिशक के पास पैसा मांगने गया था,जहां दोनों के बीच जमकर कहा सुनी हो गई। बाद दोनों ने गाली -गलौज करते हुए मारपीट शुरू

तेजधार हथियार से व्यक्ति पर जानलेवा हमला

5 नामजद समेत 7 के खिलाफ मामला

नालासोपारा पूर्व के आचोले गांव में एक व्यक्ति पर तेजधार हथियार से जानलेवा हमला करने की घटना सामने आई है। तुलिंज पुलिस ने इस मामले में 5 नामजद समेत 7 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।मिली जानकारी के अनुसार, प्रदीप रामफल कागड़ा (22),आचोले गांव, डोंगरी झोपडपट्टी,नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में रहता है।बताया गया है कि,8 जनवरी को प्रदीप का भतीजा अजय के सामने किसी बात को लेकर आरोपी आकाश, टक्कल, रोशन,मनीष,सागर व 2 अज्ञात लोगो से प्रदीप के भाई संदीप से वाद-विवाद जमकर शुरू हो गया ,बात इतना बढ़ गया कि,उक्त आरोपियों में से किसी ने तेजधार हथियार से सदीप के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले संदीप गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन-फानन में उसे एक अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। वही संदीप के भाई प्रदीप की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी आकाश, टक्कल, रोशन,मनीष,सागर व 2 अज्ञात लोगो पर कलम 307 व अन्य धाराओ के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बिजली चोरो के खिलाफ महावितरण की कार्रवाई जारी

■17 से अधिक लोगो पर बिजली चोरी का मामला दर्ज

नालासोपारा : महावितरण कंपनी के अधिकारियों द्वारा पिछले कई दिनों से वसई तालुका के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली चोरी को लेकर लगातार मुहिम छेड़ रखी है। इस कड़ी में 8 जनवरी को महावितरण अधिकारी ने तुलिंज पुलिस स्टेशन में 17 से अधिक लोगो पर बिजली चोरी का मामला दर्ज करवाया है। विभाग की इस कार्रवाई से

अन्य बिजली चोरी माफियाओं में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार धीरज यादव (28),महावितरण कंपनी में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है। बताया गया है कि, क्षेत्र में बिजली चोरी को लेकर महावितरण कंपनी के अधिकारियों ने अभियान चलाया। फिलहाल,धीरज ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि, आरोपियो द्वारा बिजली विभाग से किसी भी प्रकार का परमिशन न लेते हुए नालासोपारा पूर्व प्रगतिनगर व प्रगति नगर,साई प्रेरणा स्थित अनधिकृत बिजली का उपयोग करते थे। शिकायत ने धीरज ने कहा कि,आरोपियो ने 15,574 यूनिट व 227,930 रुपये का नुकसान बिजली विभाग को पहुंचाया है। धीरज की शिकायत व बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी कलावती,जीतू,अरुण,सन्तोष,नूरखान,मुकेश,शहनाज,सन्तोष शरबड़े,जीतू नाडकर, कमलेश, जितून,प्रवीण,शमीम खान,विजय,गफ्फार, मे. शिवसम्राट बिल्डर्स राकेश यादव,मो. हनीफ शखे साई प्रेरणा आपरमेंट,प्रगतिनगर,नालासोपारा पूर्व के ऊपर कलम 135 के तहत केस दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

महानगरपालिका ने करोनाटीकाकरण का अभियान चलाया

वसई : वसई विरार शहर महानगरपालिका 08 जनवरी, 2021 को सुबह 10.00 बजे वरुण इंडस्ट्रीज, वालीव,वसई (ई) में आयुक्त गंगाधरन.डी के मार्गदर्शन में उपायुक्त और मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने कोरोना टीकाकरण का एक सफल ड्राइ रनह्र चलाया। यह ड्राय रन एक टीका के रूप में लिया गया था कि टीकाकरण कैसे किया जाएगा। यह ड्राय रनह्र टीकाकरण करने वाले कर्मचारियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। महानगरपालिका ने टीकाकरण (रंग प्रशिक्षण) के लिए

कुल 25 लाभार्थियों को तैयार किया था और उन्हें ड्राइ रनह्र का संदेश भेजा था। लाभार्थियों को विन ऐप पर पंजीकृत किया गया है। पहले चरण में सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल होंगे। दूसरे चरण में, पुलिस, सुरक्षा गार्ड और तीसरे चरण में बुजुर्ग और बीमार लाभार्थियों को टीका लगाया जाएगा। प्रत्येक टीकाकरण केंद्र पर 100 लाभार्थियों को चरणों में प्रतिदिन टीकाकरण किया जाएगा। नगरपालिका क्षेत्र में कुल 6,000 स्वास्थ्य कार्यकर्ता कोविन ऐप पर पंजीकृत हैं और इससे लाभान्वित होंगे। महानगरपालिका ने एक केंद्र पर कुल 10 टीकाकरण केंद्र और 100 लाभार्थी स्थापित किए हैं और 1000 लाभार्थियों को एक दिन में 10 केंद्रों पर टीका लगाया जाएगा। टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव वाले रोगियों के लिए एक एईएफआई समिति का गठन किया गया है और एईएफआई प्रबंधन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस कार्यक्रम में ड्राइ रन ह्रके दौरान महानगरपालिका के उपायुक्त डॉ. किशोर गवास, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सुरेखा वालके, उप चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी जुइली वनमाली, डॉ. राजेश चौहान, डॉ.अश्विनी माने, डॉ.मरीना फिलिप्स और अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में की घटना

वसई वालीव पुलिस स्टेशन अंतर्गत सड़क दुर्घटना में एक 30 वर्षीय व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत होने की घटना सामने आई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी है।मिली जानकारी के अनुसार,सदानन्द फौजदार (30) द्वारा घटना के दिन मुम्बई-अहमदाबाद महामार्ग रोड से मोटरसाइकिल से भायंदर की और जा रहा था। जैसे ही सातीवली ब्रिज- चिंचोटी के बीच पहुंचा,तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन चालक ने उक्त मोटरसाइकिल को।जोरदार ठोकर मारी। हादसे में सदानन्द गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आनन - फानन में सदानन्द को के.ई.एम हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया,जहाँ उपचार के दौरान सदानन्द ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने स्थानीय पुलिस स्टेशन को उक्त मामले की सूचना दी।शव को पोस्टमार्टम के बाद भोईवाडा पुलिस ने जीरो नम्बर के माध्यम से वालीव पुलिस को सूचना दी। 7 जनवरी को पुलिस ने शिकायकर्ता की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक पर धारा 304 (अ) के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात मे जुटी है।

महिला के साथ लाखो की धोखाधड़ी

/नालासोपारा एक 53 वर्षीय अधेड़ महिला के साथ लाखो रुपये के आभूषण की धोखाधड़ी करने की घटना सामने आई है। महिला की शिकायत पर तुलिंज।पुलिस ने दो अज्ञात लोगो पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार,सुशीला यादव (53),वसई पश्चिम में रहती है। बताया गया है कि,7 जनवरी को दोपहर 3 बजे के आसपास सुशीला शॉपिंग नालासोपारा पूर्व आई थी। इसी बीच 30 से 35 वर्षीय दो अज्ञात शख्स सुशीला को विश्वास लेकर व नजर चूक करते हुए लाखो रुपये के आभूषण लेकर रफूचक्कर हो गए। महिला ने उक्त घटना की शिकायत तुलिंज पुलिस स्टेशन में की। शिकायत में महिला ने बताया कि,15 ग्राम वजन चार नग सोने की बंगड़ी,जिसकी कीमत 1,50,000 रुपये है। अज्ञात दो शख्स की उम्र 30 से 35 वर्ष थी। फिलहाल, पुलिस ने शिकायत व बयान के आधार पर दो अज्ञात शख्स पर धारा 420,34 के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

रबाले के भीमनगर में युवक पर जानलेवा हमला

नवी मुंबई : रबाले के भीमनगर में 4 युवक आपस में झगड़ा कर रहे थे. जहां पर बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य युवक पर इन चारों ने चाकू से हमला किया. इस हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए नेरूल स्थित डीवाई पाटिल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. रबाले एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में इस मामले को दर्ज किया गया है. घटना के बाद से चारों हमलावर फरार हैं. जिनकी तलाश जारी है. पुलिस के अनुसार हमले में घायल हुए युवक का नाम केसर सूरजपाल राठौड़ (25) है. जो भीमनगर में अपने परिवार के साथ रहता था.

नवी मुंबई में 61% लोग कोरोना से मुक्त

नवी मुंबई : मनपा के स्वास्थ्य विभाग को रविवार को कोरोना निगेटिव पाए गए जिन लोगों की रिपोर्ट मिली है. उसमें 98 उन लोगों का समावेश है. जो पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे. इन 98 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद अब मनपा के छेत्र में इस बीमारी से ठीक हुए लोगों की संख्या 1346 तक पहुंच गई है. इन 98 लोगों के कोरोना से मुक्त होने के बाद मनपा के क्षेत्र में अब रिकवरी रेट 58% से बढ़कर 61% तक पहुंच गया है. जो मनपा के लिए संतोषजनक

महाराष्ट्र/ कोविड-19 के 2,487 और मामले सामने आए, 89 रोगियों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र में कोविड-19 संक्रमण के 2,487 और मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 67,655 हो गई है। इसके अलावा रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद 2,286 पर पहुंच गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि 1,248 कोविड-19 रोगियों को छुट्टी दे दी गई है। इसके साथ ही ठीक हो चुके लोगों की संख्या 29,329 हो गई है।

ठाणे /शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक दिन में मिले 398 कोरोना मरीज

ठाणे : जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में कोरोना का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है. सोमवार को 398 नए मरीज मिले तो वहीं जिले में 14 लोगों की मौत दर्ज की गई है. इस तरह जिले में कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 8 हजार 665 हो गई है. वहीं अब तक करीब 270 से अधिक लोगों की मौत इस वैश्विक बीमारी से हो चुकी हैं.

शुक्रवार ठाणे मनपा की सीमा में सबसे अधिक 146 मरीज मिले हैं. साथ ही जिले के शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बेदाहशा वृद्धि हो रही हैं. साथ ही मृतकों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है. जिसे लेकर अब जिला स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया है.

जिला प्रशासन की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र में सर्वाधिक 164 नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं. यहां पर कुल बाधितों की संख्या 2751 हो गई है. पांच लोगों की मौत के साथ अब तक कुल 94 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं नवी मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में शुक्रवार को 80 नए कोरोना मरीज मिले हैं और यहां पर कुल बाधितों की संख्या दो हजार 284 तक पहुंच गई है. जबकि दो लोगों की मौत के साथ कुल आंकड़ा 75 तक जा पहुंचा हैं. इसी प्रकार कल्याण डोंबिवली मनपा क्षेत्र में 62 नए मरीज पाए गए और दो की भी मौत दर्ज की गई है तथा कुल मरीजों का आंकड़ा 1096 हो गया है. अब तक 31 मरीजों की मौत हो चुकी है. उल्हानगर मनपा में 20 मरीज मिले हैं और इस प्रकार कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 380 हो गई हैं. इसी तरह मीरा भाईंदर महानगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत 19 नए मरीज मिले है और यहां पर कुल मरीजों की संख्या 757 हो गई है. दो लोगों कर मौत के साथ मृतकों के आंकड़ा 31 हो गया है. भिवंडी महानगर पालिका क्षेत्र में 18 नए मरीजों के साथ कुल संख्या 165 हो गई हैं चार की मौत के साथ कुल मृतकों की संख्या 11 हो चुकी हैं. इसी प्रकार बदलापुर नगर परिषद में चार मरीज के साथ कुल संख्या 229 हो गई है. इसी तरह अंबरनाथ में 22 नए मरीज कोरोना के मिला है और यहां का कुल आंकड़ा 188 तक पहुंच गया है. दो मरीजों की मौत के साथ कुल मृतकों का आंकड़ा पांच हो गया है. जबकि ठाणे ग्रामीण क्षेत्र में भी

पालघर में हाई एलर्ट, एनडीआरएफ की 2 टीम तैनात

पालघर : तूफान के खतरे को देखते हुए पालघर जिला में हाई एलर्ट जारी किया गया है. 3 जून को सुबह पालघर में यह तूफान पहुंचने की संभावना है. पालघर के जिलाधिकारी डॉ.कैलाश शिंदे ने बताया कि अरब सागर में उठने वाले तूफान के खतरे के मद्देनजर जिले के सभी तहसीलदार व अन्य विभाग के अधिकारियों को एलर्ट रहने के लिए कहा गया है. एनडीआरएफ की दो टीमों को बुलाया गया है, जिसमें एक टीम को पालघर और दूसरी टीम को दहानू में तैनात किया गया है. साथ ही अरब सागर के किनारे बसे गांवों को सावधान रहने के लिए कहा गया है.अरब सागर के किनारे बसे गांवों में कच्चे घरों का सर्वे किया जा रहा है ताकि बुजुर्ग, गर्भावती महिलाओं और बच्चों के साथ उन्हें भी रिलीफ कैम्प व रिलीफ कैम्प के लिए चुने गए स्कूलों में रखा जाए. सावाधानी के तौर पर एक दिन के लिए बोईसर एमआईडीसी और वसई , पालघर,तलासरी, दहानू तहसील की सभी दुकानों को बंद रखने के लिए कहा गया है. इस दौरान दो दिन बिजली की सप्लाई बंद रहेगी जिसे देखते हुए सभी लोगों को अपने-अपने घरों में मोमबत्ती, टार्च, इमरजेंसी लाईट व अन्य जरूरी चीजें रखने के लिए कहा गया है.

शव के अदला बदली का मामला, 3 डॉक्टरों को नोटिस

नवी मुंबई : वाशी स्थित मनपा अस्पताल के मुर्दाघर में शव की अदला बदली होने की घटना 16 मई 2020 को हुई थी. इस मामले में मनपा आयुक्त ने सख्त कदम उठाते हुए इस अस्पताल के 3 डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. बता दें कि 9 मई को नेरूल स्थित डीवाई पाटिल अस्पताल में उपचार के दौरान एक युवक की मौत हुई थी. जिसके शव को पोस्टमार्टम के लिए वाशी स्थित मनपा अस्पताल में भेजा गया था. जहां पर युवक के शव की अदला-बदली एक युवती के शव से हो गया था. गौरतलब है कि युवक के शव को मृत युवती के परिजनों को सौंपा गया था. जिसका अंतिम संस्कार युवती के परिजनों ने कर दिया था. अस्पताल में हुई इस लापरवाही के मामले में मनपा आयुक्त अण्णासाहेब मिसाल ने अब अस्पताल के स्वास्थ्य अधीक्षक डॉ. प्रशांत जवादे, डॉ. भूषण जैन व डॉ. भूमेश दराडे को कारण बताओ नोटिस जारी किया है.

आदिवासियों को समस्याओं से तुरंत मिले छुटकारा

मुंबई : पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने दुर्गम इलाकों में रहने वाले आदिवासी समाज के लोगों के समक्ष भुखमरी की समस्या से छुटकारा दिलाने को लेकर तुरंत अनाज व अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराने की मांग सरकार से की है. फडणवीस ने श्रमजीवी संगठन की तरफ से शुरू अनशन को समाप्त करवाया. श्रमजीवी संगठन की तरफ से आदिवासी समाज के लोगों की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर घोडबंदर मार्ग पर भूख हड़ताल शुरू किया गया था. सोमवार को देवेंद्र फडणवीस एवं विधानपरिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर आंदोलन स्थल पर पहुंचे. उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात है कि अनाज जैसी जरूरतों को लेकर आदिवासी समाज के लोगों को अनशन पर बैठना पड़ रहा है. कोरोना की वजह से शुरू लॉकडाउन के दौरान आदिवासियों को अनाज नहीं मिल रहा है.भुखमरी की समस्या उठ खड़ी हो गई है. मुख्यमंत्री, मंत्री सहित अन्य के पास शिकायत की गई जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तब आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा है.उन्होंने आंदोलन वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर यह मांग राज्यपाल के पास लेकर जाऊंगा. फडणवीस ने विवेक पंडित व अन्य नेताओं से कहा कि उनकी मांगों को पूरा करने के लिए सरकार को बाध्य किया जाएगा. पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं प्रवीण दरेकर ने गोरेगांव पूर्व स्थित नेस्को एक्जीबिशन सेंटर में बने कोविड सेंटर का जायजा लिया. फडणवीस एवं दरेकर ने इस सेंटर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉक्टर्स एवं चिकित्सा कर्मचारियों को धन्यवाद दिया.

मोबाईल की दुकान से चोरी

नालासोपारा : तुलिंज पुलिस थानांतर्गत 7 व 8 जनवरी सुबह 8 बजे के आसपास नालासोपारा पूर्व के सन्तोष भुवन,चौधरी कंपाउंड, गाला नं.06 में तमन्ना मोबाईल नामक दुकान की अज्ञात चोर द्वारा शटर तोड़कर दुकान विभिन्न कंपनियों के मोबाईल चोरी कर फरार हो गए। साजीद अख्तर अंसारी (23) ने उक्त घटना की शिकायत तुलिंज पुलिस स्टेशन में की। अंसारी ने शिकायत में पुलिस को बताया कि,दुकान से 24,000 रुपये का रिपेयरिंग मोबाईल चोरी हुई है।

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने तारापुर की दो कम्पनी को जारी किए नोटिस।
प्रदूषण के नियमो का उल्लंघन करने पर कंपनी बन्द क्यों न की जाए का मांगा 7 दिनों में जवाब।
तारापुर एम आई डी सी के प्लाट नंबर ई 4 की मेस्सर्स डायकाफील केमिकल इंडिया लिमिटेड और प्लाट नंबर एस 1 की मेस्सर्स चैम्पियन सील्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से मांगा है जवाब। देखते है कि कितना खरा उतरते है ये कंपनी वाले सही जवाब देने मे । क्या कार्यवाही करेगी एमपीसीबी इन कॉम्पनियो पर।

संपादकीय

मुर्तुजा मामाजीवाला

हल की तलाश में

अगले आदेश तक तीनों कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने और इनसे जुड़ी आपत्तियों पर चर्चा के लिए चार सदस्यीय समिति के गठन का सुप्रीम कोर्ट का फैसला सराहनीय है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि, आंदोलित किसानों के संगठनों ने इस समिति में शामिल सदस्यों के नाम पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसके आगे उपस्थित न होने और आंदोलन जारी रखने का भी एलान किया है। बहरहाल, शीर्ष अदालत के पूर्व के संकेतों और सोमवार की टिप्पणियों से उसके रुख का साफ पता चल गया था, पर सरकार अपनी भूमिका से पीछे हटने को तैयार नहीं हुई। वह चाहती, तो इस पूरे प्रकरण को एक लोकतांत्रिक मोड़ देते हुए अपने लिए उदार सरकार का श्रेय अर्जित कर सकती थी, मगर आंदोलन की शुरूआत में ही दोनों पक्षों ने ऐसा रुख अपना लिया कि बातचीत एक औपचारिकता भर रह गई।

नौवें दौर में इस बातचीत का पहुंचना ही यह बता देता है कि वार्ता में लचीलापन किसी पक्ष ने नहीं दिखाया। निस्संदेह, ऐसी किसी भी स्थिति में सरकार की भूमिका बड़ी होती है, और उसी के कंधे पर अपेक्षाओं का भार भी सर्वाधिक होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारें अपने इकबाल से चला करती हैं और शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार के लिए अब अपने कदम को पीछे खींचना मुश्किल है। कृषि क्षेत्र में सुधारों से संबंधित इन कानूनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता वह बढ़-चढ़कर जताती रही है। लेकिन यह दायित्व भी उसी का है कि इन कानूनों के फायदों को लेकर वह किसानों को आश्वस्त करे और इनमें उनका भरोसा बहाल करे। कोर्ट ने इसी अपेक्षा से सरकार को इतना वक्त भी दिया था।

शीर्ष अदालत ने इन कानूनों को कुछ समय के लिए स्थगित करके दोनों पक्षों को यह मौका दिया है कि वे इस दौरान संवेदनशील नजरिया रखते हुए कोई सर्वमान्य हल तलाश सकें। किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी असहमति जताने और शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक हासिल होता है। पिछले करीब पचास दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों ने धैर्य के साथ अब तक अपने नागरिक धर्म का निर्वाह किया है और कहीं कोई उपद्रव नहीं होने दिया। इस कंपकंपाती सर्दी में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर रात बिताते देखकर देश का हरेक संवेदनशील नागरिक दुखी है और यही दुख सरकार व प्रधान न्यायाधीश की अपील में भी ध्वनित हुआ कि उन्हें फौरन घर भेजा जाए। हरेक आंदोलन की एक मीयाद होती है। किसानों को अब अदालत की कोशिश पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें लौट जाना चाहिए।

आंदोलन से उपजी अग्नि-परीक्षा

इसी का दुरुपयोग कर कुछ लोगों ने यहां अलगाव का अंधियारा रोप दिया था, जिससे बरसों-बरस इस देश की देह लहूलुहान होती रही। अगर इस आंदोलन को सिर्फ सिखों का आंदोलन बताने की कोशिश जारी रहती है, तो इसके अनदेखे दुष्परिणाम भी निकल सकते हैं।

मैं खुद किसान का बेटा हूं और बचपन से मैंने उनकी दुश्वारियां देखी हैं... इन दिनों एमएसपी और मंडी को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है। हकीकत यह है कि कुछ भी बदलने नहीं जा रहा।ह्व कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों को लिखे लंबे खत में भावुक अपील के साथ एक बार फिर स्थिति साफ करने की कोशिश की थी, पर किसानों ने इसे नकार दिया है। इसके साथ ही दिल्ली के दर पर किसानों का जमावड़ा चौथा हफ्ता पार कर चला है। इतिहास गवाह है, लंबे आंदोलन अक्सर आफत के बीज बो जाते हैं।

यहां मैं आपका ध्यान सर्वोच्च न्यायालय की कुछ महत्वपूर्ण टिप्पणियों की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई में तीन न्यायमूर्तियों की पीठ ने इस आंदोलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि अगर इस मसले का जल्दी हल नहीं निकाला गया, तो यह सिलसिला देश के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है। आला अदालत का यह भी मानना है कि वह किसी से असहमति जताने के अधिकार को नहीं छीन सकती, बशर्ते इससे दूसरों के अधिकार बाधित न होते हों। यही वजह है कि माननीय न्यायालय ने इस मामले को अवकाशकालीन बेंच के सामने प्रस्तुत करने को कहा है, ताकि निर्णय जल्दी हो सके। बहस के दौरान अदालत ने भारत के महान्यायविद (अटॉर्नी जनरल) से पूछा कि क्या सरकार इन कानूनों को कुछ दिनों के लिए ह्यहोल्डह्ल पर नहीं रख सकती? अटॉर्नी जनरल का जवाब था कि वह सरकार से पूछकर बताएंगे। अदालत इस मामले में समिति गठित करने का सुझाव भी दे चुकी है। सरकार चाहे, तो आला अदालत की टिप्पणियों और सवालों के बीच फौरी समाधान खोज सकती है।

किसान भी मांग कर रहे हैं कि अदालत के बजाय केंद्र सरकार इस मुद्दे को निपटाए, पर यह हो कैसे? हुकूमत ने बीच का रास्ता निकालते हुए कुछ संशोधन सुझाए जरूर, पर वे किसानों को मंजूर नहीं। दोनों पक्ष यदि ऐसे ही अडे.रहे, तो यह गतिरोध लंबा खिंच जाएगा। यही वह मुकाम है, जहां अतीत के अनुभव आशंकाओं के बबूल रोपते नजर आते हैं।

इस जमावडे. से पहली परेशानी तो यही है कि दिल्ली के चार प्रवेश द्वार या तो पूरी तरह बंद हैं या आंशिक तौर पर बाधित हैं। आप जानते हैं कि दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से चोली और दामन का रिश्ता है। लाखों की संख्या में लोगों को प्रतिदिन काम-काज के सिलसिले में दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आना-जाना होता है। पिछले वर्ष शाहीन बाग के आंदोलन के दौरान तो सिर्फ एक सड़क बंद थी, पर इस बार मामला उससे कहीं बड़ा है। लंबे समय तक इन रास्तों पर धरना आम आदमी के वक्त और करोड़ों रुपये की बबार्दी का सबब साबित हो सकता है। वैसे दुश्वारियां तो आज भी कम नहीं हैं। दिल्ली और एनसीआर के व्यापारियों को भी इससे दिक्कतें हो रही हैं। आजादपुर मंडी में फल और सब्जियों का आवागमन अव्यवस्थित हो गया है। इससे न केवल खरीदार और व्यापारी परेशान हैं, बल्कि इनके उत्पादक, जो किसान हैं, उन्हें भी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा, यह आशंका हमेशा बनी रहती है कि कड़ाके की सर्दी में यहां जो पकी उम्र के लोग धरने पर बैठे हैं, वे शीतलहरी के शिकार बन सकते हैं। अब तक धरना-स्थलों पर कई किसान दम तोड़ चुके हैं। इसी बीच करनाल के पास एक बुजुर्ग संत राम सिंह ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह किसानों की स्थिति से ह्यदुखीह्ल थे। उनके लिए अंतिम अरदास 25 दिसंबर को आयोजित की गई है। धरने के दौरान दम तोड़ चुके लोगों के गांव में भी आज प्रार्थना सभाएं करने का कार्यक्रम है। अतीत में इस तरह के अवसरों का उपयोग अराजक लोग कर चुके हैं। उम्मीद है कि ऐसा कुछ नहीं होगा, लेकिन खुदा-न-ख्वास्ता यह सिलसिला जारी रहा, तो उत्तेजना के फैलाव को भला कब तक रोका जा सकता है? हालांकि, इस आंदोलन की सबसे बड़ी खूबी यही है कि तमाम उकसावे के बावजूद यह अभी तक अहिंसक और शांतिपूर्ण है। किसान खुद रात-रतभर जागकर बड़बोले और अराजक तत्वों से खुद को बचाते रहे हैं, पर उनके बीच अगर उत्तेजक बात करने वालों की घुसपैठ बड़ी तादाद में हो गई, तो कुछ लोगों के राह भटकने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यह ठीक है कि किसान लंबी तैयारी के साथ आए हैं और पूरी चौकसी भी बरत रहे हैं, पर सिर्फ इतने से आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता।

जहां तक सरकार की बात है, उसने भी कमर कस ली है। प्रधानमंत्री ने खुद कच्छ और मध्य प्रदेश के किसानों से बात की है। वह इससे पहले भी किसानों को तमाम संदेश दे चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह भी बंगाल में किसानों से मुखातिब हुए, तो उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ और बरेली में बड़ी किसान रैलियां कीं। जाहिर है, सरकार असंतोष की इस ज्वाला को विस्तार मिलने से पहले ही रोक देना चाहती है। विपक्ष का आरोप है कि यह कदमताल इसलिए की जा रही है, ताकि साबित किया जा सके कि यह सिर्फ एक खास भौगोलिक इलाके के किसानों का असंतोष प्रदर्शन है।

आशावादी सरकार की इस पहल को भला मानते हुए कह सकते हैं कि दिल्ली के दर पर किसानों ने खेती और किसानी को हुकूमत का केंद्रीय विषय बनाने में सफलता हासिल कर ली है, पर क्या बात महज इतनी-सी है?

पंजाब एक संवेदनशील सीमाई सूबा है। वहां धर्म, समाज और राजनीति का अनोखा घालमेल देखने को मिलता है। इसी का दुरुपयोग कर कुछ लोगों ने यहां अलगाव का अंधियारा रोप दिया था, जिससे बरसों-बरस इस देश की देह लहूलुहान होती रही। अगर इस आंदोलन को सिर्फ सिखों का आंदोलन बताने की कोशिश जारी रहती है, तो इसके अनदेखे दुष्परिणाम भी निकल सकते हैं। कुछ विदेशी सरकारें इस मुद्दे पर अनावश्यक टिप्पणी भी कर चुकी हैं। सरकार के सामने एक दिक्कत यह भी है कि इतने सारे संगठनों को साधना बड़ा मुश्किल है। यदि आंदोलन का नेतृत्व किसी एक व्यक्ति अथवा सीमित संख्या में कुछ लोगों के हाथ में होता, तो यकीनन सहमति के रास्ते जल्दी निकल सकते थे, पर करें क्या? हुकूमत का पुराना दस्तूर है कि वह अपने साथ सिर्फ सत्ता की शक्ति लेकर नहीं आती, बल्कि सत्तानायकों के कंधों पर जिम्मेदारी का भारी जुआ भी थोप जाती है।

घर-संसार

गजाननं भूत गणादि सेवितं, कपित्थ जम्बू फल चारू भक्षण।
उमासुतं शोक विनाशकारक, नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकज।।

संकष्टी चतुर्थी 2021

संकष्टी चतुर्थी हिन्दू धर्म का एक प्रसिद्ध त्यौहार है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। भगवान गणेश को अन्य सभी देवी-देवतों में प्रथम पूजनीय माना गया है। इन्हें बुद्धि, बल और विवेक का देवता का दर्जा प्राप्त है। भगवान गणेश अपने भक्तों की सभी परेशानियों और विघ्नों को हर लेते हैं इसीलिए इन्हें विघ्नहर्ता और संकटमोचन भी कहा जाता है। वैसे तो हिन्दू धर्म में देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए ढेरों व्रत-उपवास आदि किए जाते हैं, लेकिन भगवान गणेश के लिए किए जाने वाला संकष्टी चतुर्थी व्रत काफी प्रचलित है। आईये जानते हैं संकष्टी चतुर्थी के बारे में विस्तार सेझ

क्या है संकष्टी चतुर्थी?

संकष्टी चतुर्थी का मतलब होता है संकट को हरने वाली चतुर्थी। संकष्टी संस्कृत भाषा से लिया गया एक शब्द है, जिसका अर्थ होता है कठिन समय से मुक्ति पाना।

इस दिन व्यक्ति अपने दुःखों से छुटकारा पाने के लिए गणपति की अराधना करता है। पुराणों के अनुसार चतुर्थी के दिन गौरी पुत्र गणेश की पूजा करना बहुत फलदायी होता है। इस दिन लोग सूर्योदय के समय से लेकर चन्द्रमा उदय होने के समय तक उपवास रखते हैं। संकष्टी चतुर्थी को पूरे विधि-विधान से गणपति की पूजा-पाठ की जाती है। संकष्टी चतुर्थी के अलग-अलग नाम भगवान गणेश को समर्पित इस त्यौहार में श्रद्धालु अपने जीवन की कठिनाईओं और बुरे समय से मुक्ति पाने के लिए उनकी पूजा-अर्चना और उपवास करते हैं। संकष्टी चतुर्थी को कई अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। कई जगहों पर इसे संकट हारा कहते हैं तो कहीं-कहीं सकट चौथ भी। यदि किसी महीने में यह पर्व मंगलवार के दिन पड़ता है तो इसे अंगारकी चतुर्थी कहा जाता है। अंगारकी चतुर्थी 6 महीनों में एक बार आती है और इस दिन व्रत करने से जातक को पूरे संकष्टी का लाभ मिल जाता है। दक्षिण भारत में लोग इस दिन को बहुत उत्साह और उल्लास से मनाते हैं। कहा जाता है कि इस दिन भगवान गणेश का सच्चे मन से ध्यान करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और जातक को विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

गणपति में आस्था रखने वाले लोग इस दिन उपवास रखकर उन्हें प्रसन्न कर अपने मनचाहे फल की कामना करते हैं। इस दिन आप प्रातः काल सूर्योदय से पहले उठ जाएँ। व्रत करने वाले लोग सबसे पहले स्नान कर साफ और धुले हुए कपड़े पहन लें। इस दिन लाल रंग का वस्त्र धारण करना बेहद शुभ माना जाता है और साथ में यह भी कहा जाता है कि ऐसा करने से व्रत सफल होता है। स्नान के बाद वे गणपति की पूजा की शुरूआत करें। गणपति की पूजा करते समय जातक को अपना मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। सबसे पहले आप गणपति की मूर्ति को फूलों से अच्छी तरह से सजा लें। पूजा में आप तिल, गुड़, लड्डू, फूल ताम्बे के कलश में पानी , धुप, चन्दन , प्रसाद के तौर पर केला या नारियल रख लें। ध्यान रहे कि पूजा के समय आप देवी दुर्गा की प्रतिमा या मूर्ति भी अपने पास रखें। ऐसा करना बेहद शुभ माना जाता है। गणपति को रोली लगाएं, फूल और जल अर्पित करें। संकष्टी को भगवान गणपति को तिल के लड्डू और मोदक का भोग लगाएं। गणपति के सामने धूप-दीप जला कर निम्लिखित मन्त्र का जाप करें। पूजा के बाद आप फल, मूंगफली, खीर, दूध या साबूदाने को छोड़कर कुछ भी न खाएँ। बहुत से लोग व्रत वाले दिन सेंधा नमक का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आप सेंधा नमक नजरअंदाज करने की कोशिश करें। शाम के समय चांद के निकलने से पहले आप गणपति की पूजा करें और संकष्टी व्रत कथा का पाठ करें। पूजा समाप्त होने के बाद प्रसाद बाटें। रात को चाँद देखने के बाद व्रत खोला जाता है और इस प्रकार संकष्टी चतुर्थी का व्रत पूर्ण होता है।

कविता

उसकी बात मानते तो वकील होते विवेकानंद

कविता

आज स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती है। प्रस्तुत है स्वामीजी के जीवन से जुड़ा एक रोचक संस्मरण। एकांत को दृष्टिगत रखते हुए नरेंद्र (विवेकानंद के बचपन का नाम) अपने नाना के घर पर अकेले रहकर पढ़ाई करते थे। एक शाम एक व्यक्ति आया और उसने नरेंद्र से कहा, ह्यतत्काल घर चलो। तुम्हारे पिता का देहावसान हो गया है। नरेंद्र घर आते हैं। पिता का पार्थिव शरीर कमरे में रखा है।

मां और छोटे-छोटे भाई-बहन शोकमग्न हैं। इस दृश्य को नरेंद्र ने देखा। अगले दिन पिता का विधिवत अंतिम संस्कार किया।

नरेंद्र के पिताजी कलकत्ता के प्रसिद्ध वकीलों में से एक थे। उन्होंने धन भी यथेष्ट कमाया था, परंतु अधिकतर भाग परोपकार में लगा दिया

और भविष्य के लिए कुछ भी संचय नहीं किया था। मां भुवनेश्वरी देवी पर परिवार संभालने की जिम्मेदारी थी। परिवार विपन्नता के दौर से गुजर रहा था। कभी-कभी छोटे भाई बहनों के लिए भोजन की व्यवस्था जुटना भी मुश्किल था। बालक नरेंद्र गुप्त रूप से इसका पता लगा लेते थे और कई बार मां से कहते थे, मुझे आज एक मित्र के यहां भोजन करने जाना है। इस प्रकार विपन्नता में कई दिन बीत रहे थे।

रिश्तेदार बड़े क्रूर होते हैं। उन्होंने नरेंद्र के पैतृक मकान पर कोर्ट में दावा कर दिया। नरेंद्र ने केस की स्वयं पैरवी की और इस प्रकार के तर्क दिए कि वे केस जीत गए। विरोधी पक्ष के वकील ने इन्हें रोकना चाहा और कहा, ह्यभद्र पुरुष तुम्हारे लिए वकालात उचित क्षेत्र रहेगा, परंतु नरेंद्र ने उनकी बात नहीं सुनी और कोर्ट से दौड़ते हुए अपनी मां के पास गए और कहा, ह्यमां अपना घर रह गया है।

आज मनाया जाएगा लोहड़ी पर्व, जानिये इसका इतिहास और महत्व

लोग लोहड़ी में भुने हुए मकई के फाहे भी मनाते हैं, जबकि उत्सव में गुरु और गच्छक मुख्य होते हैं। इसके अलावा इस अवसर पर पतंगबाजी भी लोकप्रिय है। लोहड़ी वह पर्व है जिसे फसल के पर्व के रूप में जाना जाता है और यह 13 जनवरी को मनाया जाता है, जो मकर संक्रांति से एक दिन पहले होता है। यह त्यौहार पूरे देश में पूरे उत्साह और उत्साह के साथ मनाया जाता है और हिंदुओं और सिखों द्वारा प्रमुखता से मनाया जाता है।

इस त्यौहार के आते ही, यह शीतकालीन संक्रांति के अंत और रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। इस दिन, जो लोग इस त्योहार को मनाते हैं, वे सभी रंग-बिरंगे परिधानों में रंग जाते हैं। वे अलाव के चारों ओर गाते हैं और नृत्य करते हैं और इसके द्वारा वे अधिक गर्म तापमान का स्वागत करते हैं। लोग प्रसिद्ध त्योहार के गीत सुंदर मुंदरिये होह्ल की धुन पर गाते भी हैं।

लोकप्रिय फसल त्योहार लोहड़ी मकर संक्रांति से एक रात पहले 13 जनवरी को देश भर में बहुत उत्साह और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व मुख्य रूप से उत्तरी राज्यों में समुदाय के सदस्यों के साथ एकत्र होकर और वर्ष में आने वाले लंबे, लंबे समय के स्वागत के लिए अलाव जलाकर मनाया जाता है। लोहड़ी हर साल 13 जनवरी को मनाई जाती है और सर्दियों की समाप्ति का प्रतीक है। हालाँकि, लोहड़ी संक्रांति का समय अगले दिन सुबह 8:28 बजे होगा। मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। लोकप्रिय मान्यताओं का कहना है कि त्योहार पीक सर्दियों के अंत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। हालाँकि, लोहड़ी भी रबी फसलों की कटाई से जुड़ा हुआ है। इस दिन, लोग लोक नृत्य करते हैं- गिद्दा और भांगड़ा। लोग लोहड़ी में भुने हुए मकई के फाहे भी मनाते हैं, जबकि उत्सव में गुरु और गच्छक मुख्य होते हैं। इसके अलावा इस अवसर पर पतंगबाजी भी लोकप्रिय है। लोहड़ी वह पर्व है जिसे फसल के पर्व के रूप में जाना जाता है और यह 13 जनवरी को मनाया जाता है, जो मकर संक्रांति से एक दिन पहले होता है। यह त्यौहार पूरे देश में पूरे उत्साह और उत्साह के साथ मनाया जाता है और हिंदुओं और सिखों द्वारा प्रमुखता से मनाया जाता है। इस त्यौहार के आते ही, यह शीतकालीन संक्रांति के अंत और रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। इस दिन, जो लोग इस त्योहार को मनाते हैं, वे सभी रंग-बिरंगे परिधानों में रंग जाते हैं। वे अलाव के चारों ओर गाते हैं और नृत्य करते हैं और इसके द्वारा वे अधिक गर्म तापमान का स्वागत करते हैं। लोग प्रसिद्ध त्योहार के गीत सुंदर मुंदरिये हो की धुन पर गाते भी हैं।

मकर संक्रांति और लोहड़ी पर जरूर खाएं तिल-गुड़, जानें इससे सेहत को मिलने वाले फायदे

मकर संक्रांति और लोहड़ी पर जरूर खाएं तिल-गुड़, जानें इससे सेहत को मिलने वाले फायदे

मकर संक्रांति और लोहड़ी के पर्व पर खाए जाने वाला तिल गुड़ से सेहत ढेर सारे लाभ मिलते हैं। इसीलिए इन चीजों को पारंपरिक रूप से इन त्यौहारों से जोड़ा गयातिल और गुड़, दोनों ही एक स्वास्थ्यवर्धक आहार है, जिसका सेवन अधिकांश भारतीय, नियमित तौर पर या किसी विशेष पर्व पर करते हैं। तिल गुड़ का सेवन और दान मुख्यतः मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व पर लोगों द्वारा किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, गुड़ और तिल का सेवन विभिन्न रोगों में औषधि के तौर पर भी करते हैं। गुड़ और तिल दोनों ही स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और वसा प्रचुर मात्रा में होता है। इसके अलावा, तिल में फाइबर की भी मौजूदगी होती है। यह सभी पोषक तत्व शरीर को उर्जा प्रदान करने के साथ शरीर में इनकी जरूरत को पूरा करते हैं। मैक्स हॉस्पिटल (गुरूग्राम) की हेड न्यूट्रीशनिस्ट उपासना शर्मा कहती हैं ह्तिल गुड़ को एक साथ या इसकी अलग-अलग रेसिपी बनाकर सेवन किया जा सकता है। इनके सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है,

तिल
गुड़ का
सेवन और दान मुख्यतः मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व पर लोगों द्वारा किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, गुड़ और तिल का सेवन विभिन्न रोगों में औषधि के तौर पर भी करते हैं। गुड़ और तिल दोनों ही स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और वसा प्रचुर मात्रा में होता है। इसके अलावा, तिल में फाइबर की भी मौजूदगी होती है। यह सभी पोषक तत्व शरीर को उर्जा प्रदान करने के साथ शरीर में इनकी जरूरत को पूरा करते हैं।

लघुकथा

रामायण काल से जुड़े 10 रहस्य जिनसे दुनिया है अनजान

वैज्ञानिकों के मुताबिक यह सभ्यता 5500 साल नहीं बल्कि 8000 साल पुरानी थी। इस लिहाज से यह सभ्यता मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यता से भी पहले की है। मिस्र की सभ्यता 7,000 ईसा पूर्व से 3,000 ईसा पूर्व तक रहने के प्रमाण मिलते हैं, जबकि मोसोपोटामिया की सभ्यता 6500 ईसा पूर्व से 3100 ईसा पूर्व तक अस्तित्व में थी। शोधकर्ता ने इसके अलावा हड़प्पा सभ्यता से 1,0000 वर्ष पूर्व की सभ्यता के प्रमाण भी खोज निकाले हैं। सिंधु घाटी में ऐसी कम से कम आठ प्रमुख जगहें हैं जहां संपूर्ण नगर खोज लिए गए हैं। जिनके नाम हड़प्पा, मोहनजोदेड़ों, चनहुदड़ो, लुथल, कालीबंगा, सुरकोटदा, रंगपुर और रोपड़ ह 2. विचित्र किस्म की प्रजातियां : भगवान राम का काल ऐसा काल था जबकि धरती पर विचित्र किस्म के लोग और प्रजातियां रहती थीं, लेकिन प्राकृतिक आपदा या अन्य कारणों से ये प्रजातियां अब लुप्त हो गई। जैसे, वानर, गरूड़, रीछ आदि। माना जाता है कि रामायण काल में सभी पशु, पक्षी और मानव की काया विशालकाय होती थी। मनुष्य की ऊंचाई 21 फिट के लगभग थी।3. रामायण काल के अविष्कार : रामायण काल में कई वैज्ञानिक थे। नल, नील, मय दानव, विश्वकर्मा, अग्निवेश, सुबाहू, ऋषि अगत्स्य, वशिष्ठ, विश्वामित्र आदि कई वैज्ञानिक थे। रामायण काल में भी आज के युग जैसे अविष्कार हुए थे।

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण में लगेगा साढ़े तीन वर्ष का वक्त, जानिए कितना आएगा खर्च..

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में भव्य और दिव्य श्री राम मंदिर परिसर के निर्माण में मुख्य संरचना सहित लगभग 1,100 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान ऑनलाइन प्राप्त हुआ है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने बताया कि राम मंदिर लगभग साढ़े तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है। विशेषज्ञ और इंजीनियर मंदिर की नींव के लिए योजना तैयार कर रहे हैं। स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने सोमवार

को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्य राम मंदिर के निर्माण की लागत 300 करोड़ से 400 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पूरा परिसर बनाने 1,100 करोड़ रुपये से कम खर्च नहीं आएगा। हालांकि अभी यह अनुमान है। इसमें ज्यादा या कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है और बॉम्बे, दिल्ली, मद्रास, गुवाहाटी, सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ और एलएंडटी व टाटा समूह के विशेष इंजीनियर परिसर की मजबूत नींव की योजना तैयार करने पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

स्वामी गोविंद देव गिरिजी महाराज ने कहा कि मंदिर की नींव के लिए दिए गए विकल्पों पर मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में चर्चा की जाएगी। इस बैठक में नींव निर्माण के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान ऑनलाइन मिल चुका है। इसके साथ ही हम देश के चार लाख गांवों और 11 करोड़ परिवारों तक पहुंचेंगे .

ट्रेनों में यात्री मंगा सकेंगे बाहर के होटल-रेस्टोरेंट से मनपसंद भोजन

भोपाल : यदि आप ट्रेन में सफर कर रहे हैं और आपको स्टेशन और ट्रेन के अंदर मिलने वाले खाने में रुचि नहीं है तो आप सफर के दौरान अपनी बर्थ पर आने वाले शहर के किसी होटल व रेस्टोरेंट्स से मनपसंद व्यंजन मंगा सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने ऑनलाइन कैटरिंग सुविधा को दोबारा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह सुविधा कोरोना संक्रमण के बाद से बंद थी। बोर्ड के डीटीसी सामान्य सुमित सिंह ने मंगलवार जारी निर्देश में कहा है कि ऑनलाइन ऑर्डर बुक करने पर खाने की सप्लाई करने वाले वेंडरों को कोरोना संक्रमण के बचाव से जुड़ी केंद्र और स्थानीय प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करना होगा। यदि आप मुंबई से पुष्पक या कुशीनगर स्पेशल में गोरखपुर या कानपुर की यात्रा कर रहे हैं और आपको भोपाल रेलवे स्टेशन पर बाहर के किसी होटल व रेस्टोरेंट का खाना मंगाना है तो इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आइआरसीटीसी) की वेबसाइट पर जाना होगा। यहां ऑनलाइन कैटरिंग विकल्प मिलेगा, जिसमें बाहर के होटल और रेस्टोरेंट की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। आइआरसीटीसी के पोर्टल पर संबंधित होटल और रेस्टोरेंट का मेनू कार्ड ऑनलाइन होता है, जिसमें सभी प्रकार के व्यंजन की सूची होगी। साथ ही उनके दाम भी होंगे।

सतना रेलवे स्टेशन पर मृत कबूतरों को खा गए आवारा कुत्ते

सतना: बर्ड फ्लू फैलने के बाद प्रशासन हर तरह से इसे रोकने के इंतजाम कर रहा है, लेकिन आवारा कुत्ते इन प्रयासों पर पानी फेर रहे हैं। एक बार फिर सतना में रेलवे स्टेशन के बाहर चार से पांच कबूतर बुधवार सुबह मृत पड़े दिखाई दिए जिन्हें आवारा कुत्तों ने अपना निवाला बना लिया और उठाकर ले गए। इस प्रकार सतना जिले में रोज मृत मिल रहे पक्षियों से आम जन भी दहशत में हैं।

दरअसल जिस स्थान पर कबूतर लोगों ने मृत अवस्था मे कुत्तों को खाते देखा वह रेलवे स्टेशन के बाहर महामाया होटल का प्रांगण है। यहां पूर्व में भी गंदगी का अंबार रोजाना लगा रहता है। होटल के नीचे बने गलियारों में असामाजिक तत्व दिन रात नशा करते हैं। होटल और चाय-पान की दुकान संचालित करने वाले लोग यहां जमकर गंदगी फैलाने का काम करते हैं। ज्ञात हो कि बीते सप्ताह रेलवे स्टेशन के बाहर गंदगी फैलाने पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुमार्ना किया गया था।

फिर भी यहां गंदगी करने वालों की कमी नहीं हुई है। एक्शन प्लान ऑफ एवियन इन्फ्लूऐंजा द्वारा 2015 के अनुरूप वर्ड फ्लू के परिप्रेक्ष्य में प्रावधानित कार्यवाही सुनिश्चत करने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है।

जहरीली शराब के मामले में मुरैना कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को हटाने के निर्देश

भोपाल: मुरैना में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को उच्च स्तरीय आपात बैठक बुलाई। इसमें घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने मुरैना कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि प्रदेश में कहीं भी इस तरह की कोई घटना होगी तो उसकी जिम्मेदारी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की होगी। इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में घटना की जानकारी ली और कहा कि यह अमानवीय और

तकलीफ पहुंचाने वाली है। मिलावट के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है, फिर भी घटना दुखद है। ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाएंगे। मैं मूक दर्शक नहीं रह सकता हूं। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि शराब व्यवसाय पर कड़ी निगरानी की जाए आपकारी अमला पर्याप्त हो और जो रिक्त पद हैं उन्हें भरा जाए। बैठक में गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, वाणिज्यकर मंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे

मध्य प्रदेश में फिर तीखे हुए ठंड के तेवर, कुछ जगहों पर पाला पड़ने की आशंका

भोपाल। उत्तर से आ रही सर्द हवाओं के कारण राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट होने लगी है। मौसम विज्ञानियों ने ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं पाला पड़ने की आशंका जताई है। हालांकि दो दिन बाद एक पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में दाखिल होने के बाद हवा का रुख बदलने से एक बार फिर न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने लगेगी। इस वर्ष उत्तर भारत में एक के बाद एक लगातार पश्चिमी विक्षोभ पहुंचने से पहाड़ों पर जबरदस्त बर्फबारी तो हुई, लेकिन हवाओं का रुख उत्तरी नहीं हो सका था। इसके चलते दिसंबर के अंतिम सप्ताह से लेकर 10 जनवरी तक न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज नहीं

हो सकी थी। रविवार के बाद मौसम साफ होने के बाद हवाओं का रुख उत्तरी हुआ। इसके बाद उत्तर भारत की तरफ से 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आ रही सर्द हवाओं से राजधानी सहित पूरे मध्यप्रदेश में ठिठुरन बढ़ने लगी है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में कोई वेदर सिस्टम सक्रिय नहीं है।

इससे वातावरण में नमी कम होने लगी है। इससे मौसम लगभग शुष्क हो गया है। लगातार सर्द हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज होने लगी है। विशेषकर उत्तरी मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। शुक्ला के मुताबिक बुधवार-गुरुवार को ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा संभाग के जिलों में शीतलहर चलने के साथ ही कहीं-कहीं फसलों पर पाला पड़ने की भी आशंका बढ़ गई है। संभावना है। इसके बाद हवा का रुख बदलने से एक बार फिर न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने लगेगी।

एनएसई ने शेयर कर दिए मौनी रॉय के ये फोट

इंटरनेट मीडिया पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की खूब खिंचाई हुई। जानिए क्या है पूरा मामला और पढ़िए चुनिंदा रिएक्शन्स डटऋ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी ठरए का ट्विटर हैंडल करने वाली टीम की एक गलती के कारण शर्मसार करने वाली स्थिति बन गई। ठरए के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से एक्ट्रेस मौनी रॉय की फोटो शेयर कर दी गई। साथ ही जो हैशटैग और कैप्शन इस्तेमाल किया गया, उसका भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज या शेयर बाजार से कोई संबंध नहीं था। बाद में हंगामा मचा तो ट्विट हटा लिया गया और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से माफी भी मांगी गई। इसके बाद भी इंटरनेट मीडिया पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की खूब खिंचाई हुई। जानिए क्या है पूरा मामला और पढ़िए चुनिंदा रिएक्शन्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर मौनी रॉय की फोटो शेयर किया गए और लिखा, ह्यशनिवार के तापमान को बढ़ .लुभावनी लग रही है। इस ट्वीट और फोटो पर सोशल मीडिया यूजर्स ने आपत्ति जताई। अधिकांश को इस ट्वीट के पीछे तर्क समझ नहीं आया। शर्मनाक गलती का एहसास होने के बाद एनएसई ने जल्द ही पोस्ट को हटा दिया और घटना के लिए माफी जारी कर दी। एनएसई ने ट्विटर पर लिखा, एनएसई अकाउंट को संभालने वाली एजेंसी द्वारा की गई एक मानवीय त्रुटि थी और कोई हैकिंग थी। हमारे अनुयायियों से हुई असुविधा के लिए हम पूरी ईमानदारी से माफी मांगते हैं। सोशल मीडिया ने ठरए के स्टाफ को जमकर कोसा। यूजर्स ने लिखा कि ठरए की असली सच्चाई यह है। वहीं कुछ ने तंज कसा कि इस बार मौनी रॉय ने ठरए का तापमान बढ़ा दिया।

वर्मा जी वकील से : मुझे अपनी पत्नी से तलाक चाहिए , वो पिछले 6 महीने से मुझसे बात नहीं कर रही
वकील : एक बार अच्छी तरह से सोच लो , ऐसी पत्नी बार बार नहीं मिलती

पति हाथ पाँव छिलवाकर और एक आंख सुजवाकर घर आयाङ्क
पत्नी ने घबराकर पति से पूछा : क्या हुआ ???
पति : कुछ नहीं, एक औरत स्कूटी से टक्कर मार के निकल गई
पत्नी : झ तो उसके स्कूटर का नंबर नोट किया, कौन थी ?? कुछ तो याद होगा
पति : झ नहीं, दर्द के कारण स्कूटर का रंग और नंबर तो नहीं देख पाया पर बहुत गोरी व सुनहरे बाल वाली थी उसने गहरे हरे रंग का सूट पहना था, गुलाबी कलर की चूड़ियां , गहरे लाल कलर की लिपस्टिक, कानों में हीरे की बालियां थी, हाथों में मेहंदी लगी थी और हाँ दायें गाल पे होठों के पास तिल भी था इतना बताते ही पतिदेव की दूसरी आंख भी सूज गयी ....

एक सेल्समैन घर-घर जाकर किताबें बेचने का काम करता था उसने एक घर की डोरबेल बजाई तो एक महिला ने दरवाजा खोला।
सेल्समैनः मैडम मेरे पास एक किताब है, जिसमें पतियों के रात देर तक बाहर रहने के 500 बहाने बताये गए है, क्या आप इसे खरीदना चाहेंगी?

महिलाः आप को क्या लगता है कि मैं इस किताब को क्यों खरीदूं?
सेल्समैनः क्योंकि आज सुबह ही मैंने इस किताब कि एक प्रति आपके पति को बेची है।

सेहत

खरबूजा फेसपैक लगाएं और खूबसूरत चेहरा पाएं, जानिए सौन्दर्य फायदे

खरबूजे से बना फेसपैक त्वचा संबंधी कई समस्याओं को दूर करने में कारगार हैं। ये फेसपैक गर्मी में होने वाली सन टैनिंग, झुर्रियां, दाग-धब्बों आदि को दूर करने में सहायक होता है। आइए, जानते हैं खरबूजा फेसपैक के बेहतरीन सौन्दर्य फायदे और इसे बनाने की विधि -

1 खरबूजे में पानी अच्ची मात्रा में होता है जो त्वचा को ठंडक देता है।

2 खरबूजे में ढेर सारे मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा संबंधी कई समस्याओं में फायदेमंद होते है।

3 तेज धूप में रहने से होने वाली सन टैनिंग, त्वचा पर दाग-धब्बे आदि को भी खरबूजा फेसपैक दूर करने में सहायक होता है।

आइए, जानते हैं खरबूजा फेसपैक बनाने की विधि -

* इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दो चम्मच खरबूजे का गूदा लें।

* अब इसमें एक चम्मच बेसन और एक चम्मच नींबू का रस डालकर अच्छी से मिक्स कर लें। आप चाहे तो खरबूजे के गूदे में एक चम्मच मिल्क पाउडर और कुछ बूंद गुलाबजल या सादा पानी भी मिलाकर पैक तैयार कर सकते है। इसके अलावा एक अन्य तरीके से भी खरबूजा फेसपैक तैयार किया जा सकता है। इसके लिए आप खरबूजे के गूदे में एक चम्मच शहद मिलाकर भी इसे तैयार कर सकते है।

फेस पैक तैयार होने के बाद इसे चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें।

फलों व सब्जियों से लाएं अपने चेहरे पर निखार, जानें टिप्स

खूबसूरती की चाह किसे नहीं होती, जो कि हमारे खान-पान से जुड़ी होती है। इन त्योहारों पर आप अपने चेहरे को चमकदार बनाने के लिए कुदरती फल व सब्जियों का उपयोग कर सकती हैं। कैसे, आइए जानते हैं-

आपकी ग्लोइंग स्किन की चाहत को चुकंदर का जूस बहुत आसानी से पूरा कर सकता है। इसमें विटामिन ए, सी और के होता है। यह आपके शरीर की आयरन, कॉपर और पौटेशियम की जरूरत पूरी करता है। इससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है।

सेब के दो छोटे टुकड़े कर लें और एक चम्मच गुलाबजल डालकर मिक्सी में पीस लें। इस पेस्ट में एक चम्मच केओलीन पाउडर और 3-4 बूंद शहद मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो दें। ये पैक त्वचा को अंदर से मॉइस्चराइज करेगा। सेब का पल्प आंखों पर रखने से आंखें भी रिलैक्स हो जाती हैं और डार्क सर्कल भी कम नजर आने लगते हैं।

यदि त्वचा पर आए दाग-धब्बों से परेशान हैं तो एक चम्मच कैलेमाइन पाउडर में कच्चे पपीते का गूदा, आटे का चोकर और अपनी स्किन अनुसार दूध या दही डालकर पेस्ट बना लें और फिर हल्के हाथों से फेस पर स्क्रब करें। इस स्क्रब से त्वचा बेदाग व निखरी हुई नजर आएगी। ड्राइ स्किन के लिए एक केले को मैश कर लें और उसमें 3-4 बूंद शहद मिलाकर चेहरे की मसाज करें। सूखने को छोड़ दें। कुछ देर बाद धो दें। ऐसा करने से स्किन में सौम्यता व चमक आएगी।

शरीर की जरूरत के हिसाब से मिनरल और विटामिन लिये जाएं तो त्वचा अंदर से ग्लो करने लगती है। ऐसे अद्भुत जूस को बनाने की सारी चीजें किचन में मिल जाएंगी। इसे बनाने के लिए चाहिए- 3 गाजर, 1 सेब, 1 खीरा, 1 शिमला मिर्च, आधा चुकंदर, 1 गिलास पानी, आधा नींबू। सभी को धोकर इनका छिलका उतार लें और छोटे पीस में काट लें। अब मिक्सर में जूस बनाने के बाद इसमें नींबू निचोड़ लें। 7 दिन किसी भी एक टाइम खाने की जगह ये जूस लें और असर देखें। इसमें काला नमक भी मिला सकते हैं।

चेहरे पर झाइयां या दाग हैं तो सुबह उठकर नारियल पानी पीने की आदत अपनाएं, साथ ही इस पानी को रुई के फाहे से प्रभावित स्थान पर भी लगाएं। फर्क नजर आएगा।

ओट्स से पाएं सेहत और सौन्दर्य लाभ

ओट्स यानी कि जौ या जई, एक प्रकार का खाद्य प्रदार्थ है, जिसे बहुत सारे अनाज को मिलाकर बनाया जाता है। ओट्स में कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये शरीर को कई प्रकार से फायदा करता है। आइए, जानते हैं ओट्स का नियमित सेवन कौन से सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है -1 कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।2 ओट्स में पाया जाने वाला इनोजिटॉल रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित करता है, और उसे बढ़ने नहीं देता। यह शरीर में उपस्थित अतिरिक्त वसा को भी कम करता है।3 ओट्स पेट संबंधी रोगों में भी काफी लाभ देता है। यह कब्ज को दूर कर, पेट खराब होने की समस्या से निजात दिलाने में सहायक है।4 प्रतिदिन अपने नाश्ते या खाने में ओट्स को शामिल करने से डाइबिटीज की समस्या में लाभ होता है, क्योंकि यह इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।5 आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए भी ओट्स आपकी मदद कर सकता है। इससे बना फेस पैक चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल और स्वस्थ बनती है।6 ओट्स के चोकर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो जल्दी पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर में उर्जा संचार करता है, और यह वजन कम करने में बेहद लाभप्रद है। 7 कैंसर से बचाव के

भारत निश्चित रूप से अपनी आर्थिक वृद्धि दोबारा हासिल कर लेगा: मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से अपनी आर्थिक वृद्धि दोबारा पा लेगा, क्योंकि देश ठोस सुधारों की राह पर है और सरकार सुधार-प्रक्रिया जारी रखेगी। उन्होंने उद्योग संघ सीआईआई के वार्षिक अधिवेशन में कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए कठोर कदम उठाए हैं और साथ ही अर्थव्यवस्था का भी ध्यान रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को उच्च वृद्धि के रास्ते पर वापस लाने के लिए इच्छाशक्ति, समावेश, निवेश, बुनियादी ढांचा और नवाचार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमारे लिए सुधार कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं है। हमारे लिए सुधार व्यवस्थित, योजनाबद्ध, एकीकृत, आपस में जुड़ी हुई और भविष्य को ध्यान में रखकर की गई प्रक्रिया है।

उन्होंने आगे कहा, हमारे लिए सुधारों का मतलब है, फैसले लेने का साहस करना, और उन्हें तार्किक अंजाम तक ले जाना। उन्होंने कहा, एक तरफ हमें अपने लोगों के जीवन को सुरक्षित करना होगा और दूसरी तरफ हमें अर्थव्यवस्था को स्थिर करना होगा और अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी। उन्होंने जोर दिया, हां, हम निश्चित रूप से अपनी वृद्धि को पुनः हासिल करेंगे। मोदी ने कहा कि उन्हें किसानों, छोटे कारोबारियों और उद्यमियों से आर्थिक वृद्धि को वापस पाने का विश्वास मिलता है। उन्होंने कहा, कोरोना ने भले ही हमारी (वृद्धि की) गति को धीमा कर दिया है, लेकिन भारत अब लॉकडाउन से आगे बढ़कर अनलॉक के पहले चरण में प्रवेश कर चुका है। अनलॉक चरण-1 ने अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से को फिर खोल दिया है।

उच्च न्यायालय ने कोविड-19 के मृत मरीजों के शवों के निपटारे की निगरानी करने का निर्णय किया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों के शवों को निपटाने संबंधी दिल्ली की आप सरकार के हालिया आदेशों के कार्यान्वयन की वह निगरानी करेगा । दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी एन पटेल एवं न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने कहा कि अदालत यह देखना चाहती है कि कोविड-19 से मरने वाले लोगों के शवों को निपटाये जाने संबंधी दिल्ली सरकार के 30 मई के निर्देश ने जमीनी स्तर पर कैसे काम किया है । स्वास्थ्य विभाग की ओर से अदालत में पेश होने वाले दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी अधिवक्ता संजय घोष ने कहा कि अदालत विशेष रूप से यह देखना चाहती है कि 30 मई के आदेश के अनुरूप कोविड-19 से 31 मई और 1 जून को मरने वालों के शवों के निपटारे का काम किया गया है अथवा नहीं। घोष ने यह भी बताया कि अदालत ने दिल्ली सरकार से मामले की 15 जून को होने वाली अगली सुनवाई से दो दिन पहले, मामले में अद्यतन स्थिति रिपोर्ट जमा कराने के लिये कहा है ।

स्वास्थ्य विभाग के 30 मई के आदेश में कोविड-19 से संक्रमित अथवा संदिग्ध मरीजों की मौत के बाद एक निश्चित समय सीमा के भीतर शवों के निपटारे के लिये उस अस्पताल के चिकित्सा निदेशक अथवा अस्पताल के निदेशक की जिम्मेदारी तय की गई है, जहां मरीज की मौत हुयी अथवा मृत लाया घोषित किया गया। आदेश में यह भी कहा गया है कि संबंधित नगर निगम उन शवों के अंतिम संस्कार अथवा उनके दफनाये का जाने का सारा प्रबंध करेगा । मीडिया में आयी खबरों के अधार पर अदालत

गंगा में स्नान कर रहे दो किशोरों की डूबने से मौत

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को गंगा नदी में स्नान कर रहे दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी । पुलिस के अनुसार फेफना थाना क्षेत्र के माल्देपुर गंगा घाट पर सोमवार की सुबह गंगा दशहरा के अवसर पर स्नान करने के दौरान अंकुश (14) व गोलू (15) गहरे पानी में चले गए और डूब गए। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों किशोरों का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । एक अन्य घटना में हल्दी थाना क्षेत्र के पचरुखिया घाट पर सोमवार सुबह प्रिंस पटेल (07) अपनी दादी के साथ गंगा नदी में स्नान करते समय गहरे पानी में चला गया और डूब गया और गोताखोरों की मदद से प्रिंस की तलाश की जा रही है ।

भदोही / दो परिवार में जमकर लाठी चली

भदोही : शनिवार की रात क्षेत्र के जमुनीपुर अठगवां के बरदहवां गांव में हुई बारिश का पानी निकालने को लेकर दो परिवार में जमकर लाठी चली। इस दौरान गुड्डू (45) की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस की तैनाती कर दी गई। पुलिस संदिग्धों को हिरासत में लेकर जांच में जुटी हुई है। भदोही कोतवाली क्षेत्र के बरदहवां गांव निवासी हलीम अपने दरवाजे पर ईद के दिन से ही मिट्टी गिरवा रहा था। ईद के दिन भी दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए थे

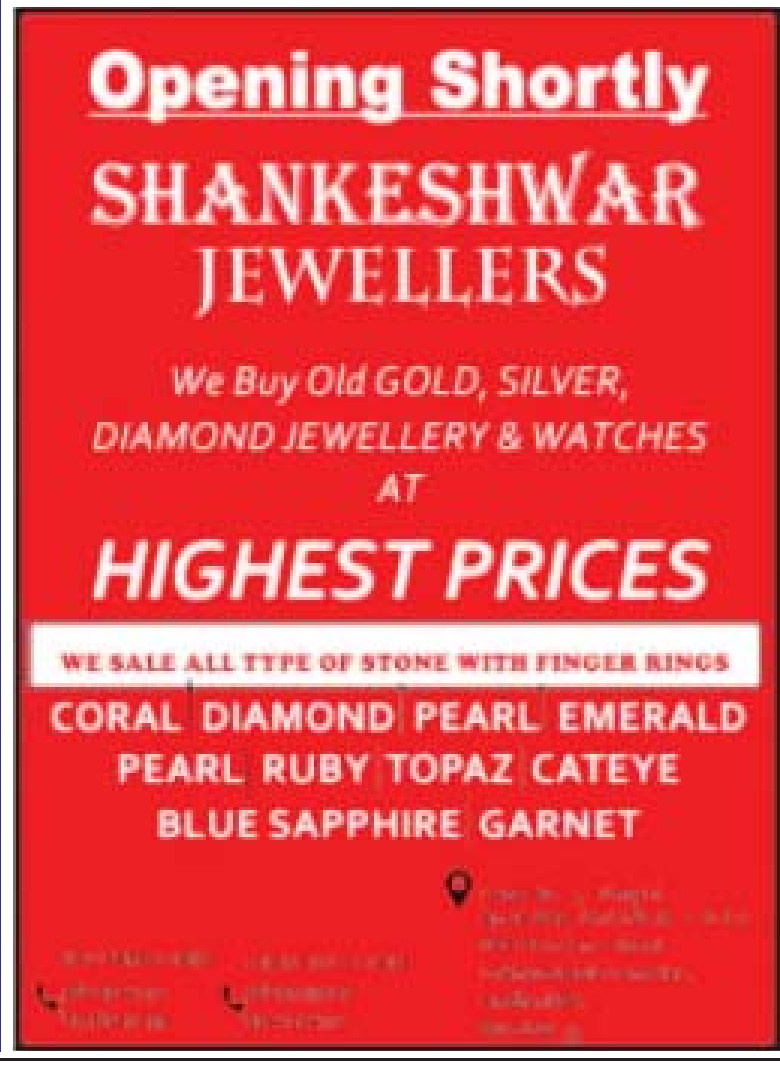

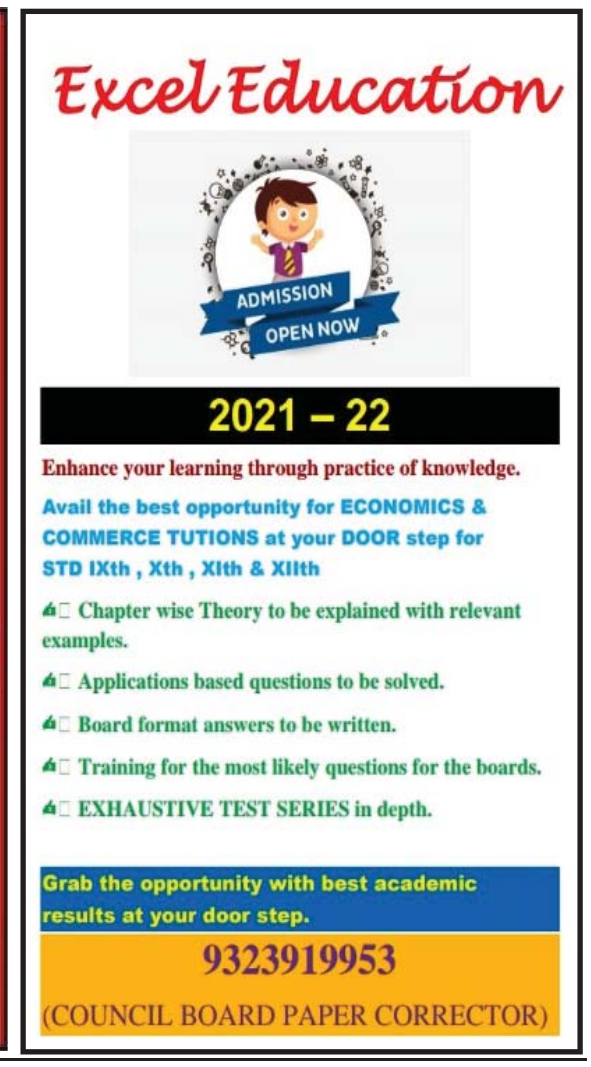

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: murtaza12152@yahoo.com